अनुसंधान – १९९३ – ०२
संपादक - विजयशीलचन्द्रसूरि

मुख्य टाइटल
प्राक्कथन
अनुक्रमणिका
वाचक यशोविजयरचित समुद्र-वहाण-संवाद – मुनि शीलचंद्रविजय ---------------------------------- १
श्रद्धा, प्रसाद अने अध्यात्मप्रसाद- नगीन जी. शाह --८
केटलाक मध्यकालीन गुजराती शब्दप्रयोगो – जयंत कोठारी --- ९
जैन प्राकृत-संस्कृत प्रयोगोनी पगदंडीए – हरिवल्लभ भायाणी ------------------------------------- २५
सिद्धहेम-शब्दानुशासन प्राकृत अध्यायनां उदाहरणोना मूळ स्रोत – हरिवल्लभ भायाणी ------------- २५
व्याश्रय काव्यना एक पद्यनी वृत्ति परत्वे – मुनि शीलचंद्रविजय ----------------------------------- ५०
गांगेयभंग प्रकरण-सस्तबकना कर्ता विशे – मुनि शीलचंद्रविजय ---------------------------------- ५२
यतिदिनचर्या वृत्तिनी गवेषणा – मुनि प्रद्युम्नविजयजी -- ५८
वर्धमानसूरि रचित – धर्मरत्नकरण्डक विशे – मुनि मुनिचंद्रविजय --------------------------------- ६३
धर्मसूरि-बारमासा – संपा. रमणीक शाह -- ६९
सुभद्रा-सती-चतुष्पदिका – संपा. कनुभाई शेठ -- ७८
संशोधन-वर्तमान --- ८३

Jain Education International For Private & Personal Use Only www.jainelibrary.org